DR. SUSHILA NAYAR: Sir, in every research organisation the Director has to see to the quality of the papers before permitting them to be published.

SHRI A. B. VAJPAYEE: Sir, is it a fact that the research workers are not allowed even to read papers in scientific meetings without the approval of the Director?

DR. SUSHILA NAYAR: Yes, Sir; that is the accepted practice all over.

SHRI A. B. VAJPAYEE: Is it a fact that the same practice is followed in the Delhi University and, if not, why a departure in this case?

DR. SUSHILA NAYAR: I am afraid I do not know the practice followed in the Delhi University.

SHRI A. B. VAJPAYEE: May I know whether the Institute is a body under the Delhi University or is it a departmental organisation?

DR. SUSHILA NAYAR: Sir, it is part of the Delhi University. So I presume the practice is common to the Delhi University and chest Institute. But, as I said, I do not know the details.

SHRI A. D. MANI: In order to promote initiative on the part of research scholars, Sir, would Government consider allowing these scholars to submit papers without the permission of the Director?

DR. SUSHILA NAYAR: Sir, I could not follow the question.

MR. CHAIRMAN: What he is suggesting is that they should be given facilities to publish papers as they choose. Next question.

दिल्ली में पीने के पानी की कमी

*४. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली की पीने के पानी की कमी की पूर्ति के लिये उत्तर प्रदेश सरकार से जो बातें चल रही थीं, उनमें अब तक क्या प्रगति हुई है; और

(ख) क्या इस सम्बन्ध में दिल्ली नगर निगम की प्रार्थना पर उत्तर प्रदेश के ट्यूबवेल इंजीनियरों ने कोई योजना बना कर दी थी और, यदि हां तो, वह क्या है व उसे कार्यान्वित करने में क्या बाधा है ?

†[SHORTAGE OF DRINKING WATER IN DELHI

*4. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) the progress so far made in the talks with the Government of Uttar Pradesh for meeting the shortage of drinking water in Delhi; and

(b) whether on a request made by the Municipal Corporation of Delhi the tubewell engineers of Uttar Pradesh had prepared and submitted any, scheme in this connection and if so, what is that scheme and what is the hindrance in the implementation of the same?]

THE MINISTER OF HEALTH (DR. SUSHILA NAYAR): (a) The Government of Uttar Pradesh have agreed to investigate the possibility of giving 30 cusecs of water in Shahdara in two stages from tube-wells in the Loni area and 15 cusecs of water from the Hindon River for the Okhla Water Works. They have, however, not agreed so far to spare any water from the Ram Ganga Scheme.

(b) No scheme has been received by the Municipal Corporation of Delhi from the Uttar Pradesh engineers. There was a meeting held at Meerut on 12th November, 1961 to discuss the scheme for supply of 15 cusecs of water to Shahdara from tube-wells in

†[ ] English translation.

Loni area when the Superintending Engineer, Tube-well Circle, Meerut was asked to expedite this work.

†[स्वास्थ्य मन्त्री (डा० सुशीला नायर) : (क) उत्तर प्रदेश सरकार लोनी क्षेत्र के ट्यूबवेलों से शाहदरा में तीस कुसेक जल, दो स्टेजों में, तथा ओखला वाटर वर्क्स के लिए हिण्डन नदी से १५ कुसेक जल देने की सम्भावना पर विचार करने के लिये मान गई है। किन्तु रामगंगा योजना से जल देने के लिए वह अभी सहमत नहीं हुई है।

(ख) उत्तर प्रदेश के इंजीनियरों से दिल्ली नगर निगम के पास कोई योजना नहीं आई है। लोनी क्षेत्र के ट्यूबवेलों से शाहदरा में १५ कुसेक जल देने की योजना पर विचार विमर्श करने के लिये १२ नवम्बर, १९६१ को मेरठ में एक बैठक हुई थी और तब सुपरिण्टेंडिंग इंजीनियर ट्यूबवेल सर्कल, मेरठ को इस काम में शीघ्रता करने के लिये कहा गया।]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या मैं जान सकता हूं कि इस वक्त दिल्ली प्रशासन के अंतर्गत, जिसमें नयी दिल्ली और पुरानी दिल्ली शामिल है, पानी की कितनी आवश्यकता है और कितना पानी इस वक्त आप दे रहे हैं और शेष जो ज़रूरत है, वह आप किस तरीक़े से पूरा करेंगे ?

डा० सुशीला नायर : इस समय की आवश्यकता को पूरी करने के लिये तो यह जो ३० कुसेक शाहदरा की तरफ़ और १५ कुसेक ओखला की तरफ़ देने का यू० पी० सरकार ने जो वायदा किया है उससे काम चल जायेगा। लेकिन दिल्ली की बढ़ती हुई आबादी को देखते हुए यह आवश्यक है कि ज्यादा पानी का इंतजाम किया जाये और उसके लिये रामगंगा स्कीम में से २०० कुसेक की हमने मांग की थी, मगर उसके लिये यू० पी० सरकार रजामंद नहीं हुई।

श्री नवाबसिंह चौहान : मेरे पूछने का मकसद यह है कि इस वक्त आबादी की जरूरतों को देखते हुए कुल कितने पानी की आवश्यकता है और क्या अगर २०० कुसेक आपको मिल जायें, तो वह आवश्यकता पूरी हो जायेगी ?

डा० सुशीला नायर : जी, मैंने अर्ज किया कि इस वक्त की आवश्यकता तो १५ और ३० कुसेक मिलने से ही पूरी हो जायेगी, लेकिन भविष्य के लिये ज्यादा पानी की आवश्यकता पड़ेगी, जिसके लिये बातचीत चल रही है।

श्री एम० ए० तारिक : मैं वज़ीरे सेहत से यह जानना चाहता हूं कि जैसा कि उन्होंने अभी कहा है, क्योंकि यू० पी० गवर्नमेंट ने पानी नहीं देने का इकरार किया है तो इस सिलसिले में जब कि पानी की किल्लत है और यू० पी० सरकार पानी नहीं दे रही है, तब पानी मुहैया करने के लिये क्या इंतज़ाम किया जा रहा है ?

डा० सुशीला नायर : मैंने अर्ज किया था कि यू० पी० सरकार ने लोनी के इलाके के ट्यूबवेल से पानी देना मंजूर कर लिया है और हिण्डन नदी में से भी कुछ पानी देना मंजूर कर लिया है। लेकिन हमने और मांगा था, रामगंगा स्कीम में से। वह देने के लिये यू० पी० गवर्नमेंट अभी तक रज़ामंद नहीं हुई है; क्योंकि उनके इर्रीगेशन वाले कहते हैं कि इससे उनका दो लाख एकड़ ज़मीन के इर्रीगेशन का नुक्सान हो जायेगा।

SHRI N. SRI RAMA REDDY: May I know, Sir, what is considered to be the optimum quantity of water required per head and what is the quantity that is being allowed at present in Delhi?

DR. SUSHILA NAYAR: At present we are supplying about 30 gallons per head in Delhi. Some time back we were supplying even more. Sir, I wish to state that although so much provision is made, all that water may

†[ ] Hindi translation.

not be reaching the people, because quite a lot of water is wasted due to leaking taps all over the city.

SHRI M. P. BHARGAVA: May I know whether the hon. Minister is aware that many of the colonies in Delhi are already experiencing water shortage? May I know from the hon. Minister what steps are being taken to give them relief and whether it is a fact that in several areas in Delhi filtered water is being used for gardening purposes and, if so, what steps are being taken to stop that?

DR. SUSHILA NAYAR: Sir, I have already stated that these two water supplies, one for Okhla side from the Hindon River and the other for Shahdara side from the Loni block tube-wells, are meant to meet the shortage in the colonies which the hon. Member has referred to. As for filtered water being used for gardening purposes, the cost of filtered water for gardening purposes is prohibitive in itself, and the authorities are also quite strict about not allowing it. As far as possible, they do not allow the use of filtered water for gardening purpose.

फसलों का बीमा

*५. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पंजाब में फसलों का बीमा १९६२-६३ से चालू किया जा रहा है और क्या इस योजना को केन्द्रीय सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है;

(ख) यदि हां, तो स्वीकृत योजना की मुख्य बातें क्या हैं; और

(ग) इस योजना के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार की ओर से क्या व कितनी सहायता दी जायेगी ?

†[CROP INSURANCE

*5. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that crop insurance is going to be started in the Punjab from 1962-63 and whether the Central Government have given their approval for this scheme;

(b) if so, what are the main features of the approved scheme; and

(c) the nature and extent of assistance that will be given by the Central Government in regard to this Scheme?]

खाद्य तथा कृषि मन्त्री (श्री एस० के० पाटिल): (क) जी, नहीं। पंजाब सरकार ने भारत सरकार की स्वीकृति के लिए फसलों के बीमे की अपनी अन्तिम योजना अभी तक नहीं भेजी है।

(ख) प्रश्न नहीं होता।

(ग) केन्द्रीय सरकार तीसरी पंचवर्षीय योजना के दौरान में इस योजना के लिए तक्नीकी सलाह देगी और इसके प्रशासन के खर्चे का ५० प्रतिशत देगी।

†[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI S. K. PATIL): (a) No. The Government of Punjab have not yet submitted their final scheme on Crop Insurance for the approval of the Government of India.

(b) Does not arise.

(c) The Central Government will provide technical guidance and meet 50 per cent. of cost of administration of the scheme for the period of the Third Five Year Plan.]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या केन्द्रीय सरकार ने राज्य सरकारों को इस सम्बन्ध में अपनी अपनी योजना भेजने के लिए कहा है और किन किन राज्यों से इस प्रकार की योजना, अर्थात् स्कीम आई है ?

†[ ] English translation.